

## पद ६८

(राग: लंका सारंग - ताल: धमार)

घोर हनुमान महागड लंका जलावत लेत सारंगसुखतान ॥ध्रु. ॥  
तीख निनाद ज्वाला धडक उठी । स्वरित तारमों गान ॥१॥ नादब्रह्म  
दैवत सब सिद्धि । ध्यान जोग गुरुमुख जोहि पावे । भुगति मुगति  
कैलासधाम मिले । चिन्मार्ताड प्रमाण ॥२॥